सिद्ध क्षेत्र

श्री खण्डगिरि जी

Shri Khandgiri Siddha Kshetra, Orissa

अर्घ

जल फल वसु दरब पुनीत, लेकर अर्घ करूँ।
नाचूं गाऊं इस भांति, भवतर मोक्ष वरूं॥
श्री खण्डगिरि के शीश, दशरथ तनय कहै।
मुनि पंचशतक शिवलीन, देश कलिंग कहैं॥

ॐ ह्रीं श्री कलिंग देश मध्य खण्डगिरि सिद्धक्षेत्रेभ्यों
दशरथ राजा के सुत तथा पचशतक मुनि सिद्धपदप्राप्तेभ्यों
अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।